भर्ती हेतु सूचना

कार्यकारी निदेशक, एनएचएसआरसी

1. पात्रता एवं शैक्षणिक योग्यताएं

1. क– अनिवार्यः

- चिकित्सा अथवा जन स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर उपाधि अथवा स्वास्थ्य प्रबंध/जन स्वास्थ्य प्रबंध/सामान्य प्रबंध में विशेषज्ञता सहित किसी ख्यातिप्राप्त संस्थान से एमबीए/योग्यता उपरांत न्यूनतम 20 वर्षों के कार्य अनुभव सहित सामाजिक और अन्य विज्ञान/सार्वजनिक नीति/लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर उपाधि, जिसमें से न्यूनतम 10 वर्षों तक जन स्वास्थ्य या स्वास्थ्य प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण के क्षेत्र में अधिमानतः नेतृत्व के पद पर कार्य करने का अनुभव हो।

- उत्कृष्ट संप्रेषण, लेखन और प्रस्तुति कौशल, विश्लेषणात्मक एवं अतर्वैयक्तिक क्षमता, अंग्रेजी और न्यूनतम किसी एक अन्य भारतीय भाषा में धाराप्रवाह।

- एक बहु–विषयक टीम परिवेश में कार्य करने और पहल भी करने की प्रदर्शित योग्यता।

- जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कार्यान्वयन हेतु केंद्रीय और राज्य सरकारों में विभिन्न स्तरों, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों, नागरिक समाज और अन्य हितधारकों के साथ प्रभावी ढंग से समन्वय और भागीदारी करने की क्षमता।

1. ख– वांछनीयः

- स्वास्थ्य क्षेत्र के सुधारों का नेतृत्व करने और जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कार्यान्वयन हेतु क्षमता निर्माण करने के लिए राष्ट्रीय और/या राज्य सरकारों को विभिन्न प्रकार की तकनीकी सहायता प्रदान करने का प्रतिसिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड।

- हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान।

2. भूमिकाएं और दायित्वः

कार्यकारी निदेशक, एनएचएसआरसी के अन्य विशेषज्ञों से प्राप्त तकनीकी जानकारियों के समन्वय और सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कार्यक्रम प्रभागों के साथ समन्वय करने सहित एनएचएसआरसी का समग्र प्रभारी होंगे। वह :

1. एनएचएसआरसी के रूप में पंजीकृत सोसाइटी के 'सदस्य सचिव' के रूप में, सोसायटी के सभी कार्यकलापों की देखरेख के लिए जिम्मेदार होंगे।
2. स्वास्थ्य क्षेत्र के विभिन्न घटकों और विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का परिस्थिति विश्लेषण करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की पूर्ण भागीदारी के साथ टीम का नेतृत्व करेंगे और नीति निर्माण में साक्ष्य उपलब्ध करेंगे।
3. संगठनात्मक क्षमता निर्माण के लिए नीतिगत प्रस्तावों को तैयार करने और राज्य, जिला और उप–जिला स्तरों पर सुधार करने, एकीकृत नियोजन और प्रबंध के संस्थानीकरण, वित्तीय प्रबंधन प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण और उन्हें सुव्यवस्थित बनाने, खरीद और रसद के सुदृढ़ीकरण और उन्हें सुव्यवस्थित बनाने, प्राथमिक और द्वितीयक स्तरों पर मानदंडों के मानकीकरण (सेवाएं, स्टाफिंग और बुनियादी ढांचा), स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) और एम एंड ई के सुदृढ़ीकरण और सुव्यवस्थित बनाने में मार्गदर्शन करेंगे।
4. सामुदायिक भागीदारी और व्यवहार परिवर्तन संप्रेषण (बीसीसी) रणनीति के लिए सामाजिक एकजुटता अभियान के विकास में राज्यों की सहायता करने में वरिष्ठ सलाहकारों और परामर्शदाताओं का नेतृत्व और मार्गदर्शन करेंगे।
5. ंपीआरआई और अन्य स्थानीय शासी ढांचों, सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवकों, ग्राम समितियों इत्यादि के प्रशिक्षण और अभिमुखीकरण सहित स्थानीय नियोजन और सामुदायिक प्रक्रियाओं के लिए संस्थागत तंत्रों के विकास का नेतृत्व करेंगे और सहयोग प्रदान देंगे।

6. जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों और विभिन्न राज्यों में सुदृढ़ स्वास्थ्य प्रणाली की कौशल जरूरतों का विश्लेषण करने और केंद्रीय एवं राज्य सरकारों में स्वास्थ्य मानव संसाधन की क्षमता विकास के लिए ढांचे के निर्माण में एनएचएसआरसी का नेतृत्व करेंगे।
7. निम्नलिखित के लिए एनएचएसआरसी की क्षमताओं का विकास करेंगे–
   I. रणनीतियों का अनुमान लगाना, योजना बनाना और रणनीतियां बनाना तथा उनकी विविधता एवं जटिलता के होते हुए क्षेत्र सुधारों की रूपरेखा तैयार करना।
   II. एसएचएसआरसी की स्थापना और मौजूदा एसएचएसआरसी की क्षमता निर्माण करने में राज्यों को तकनीकी सहयोग प्रदान करना।
8. शर्तों और संदर्भ की तैयारी, प्रस्तावों/आवेदनों को आमंत्रित करने और भर्ती/चयन आदि में सहयोग करने सहित राज्यों के लिए तकनीकी सहायता जुटाने में मदद करेंगे।
9. वित्तीय प्रबंध कार्यक्रम की उत्कृष्टता, गहन कार्यक्रम मूल्यांकन, और सुसंगत और उच्च गुणवत्तापूर्ण वित्त एवं प्रशासन सहित, कार्यक्रम प्रबंध और मूल्यांकन में उत्कृष्टता सुनिश्चित करेंगे, तथा रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक समय सीमा और संसाधनों की सिफारिश करेंगे।
10. परिषद के सदस्यों, उप–समितियों, भागीदार संगठनों और अन्य के साथ सक्रिय भागीदारी करेंगे और प्रोत्साहित करेंगे।
11. एक सुदृढ़ शासी निकाय का विकास, रखरखाव और सहयोग करेंगे : सभी समितियों के पदेन प्रभारी होंगे, प्रचालनों के लिए रणनीतिक दिशानिर्देश सहित शासी निकाय की भागीदारी सुनिश्चित करवाएंगे।
12. उच्च कार्य निष्पादन करने वाली वरिष्ठ प्रबंध टीम का नेतृत्व, प्रशिक्षण, विकास और रखरखाव करेंगे।
13. स्केलिंग की प्रगति का पता लगाने के लिए प्रभावी प्रणालियां सुनिश्चित करेंगे, और नियमित रूप से कार्यक्रम के घटकों का मूल्यांकन करेंगे, ताकि बोर्ड, वित्तपोषक और अन्य घटकों को प्रभावी ढंग से सूचित करने के लिए सफलता का आंकलन किया जा सके।
14. यह सुनिश्चित करेंगे कि संगठन के पास एक दीर्घावधिक रणनीति है, जो अपने लक्ष्य को प्राप्त करती है, और उस दिशा में निरंतर और समयबद्ध तरीके से प्रगति करती है।
15. कार्यालयी अभिलेखों और दस्तावेजों का रखरखाव करेंगे और सरकारी विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।
16. फील्ड में होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं और रुझानों के बारे में कार्यसाधक जानकारी रखेंगे।
17. एनएचएसआरसी के जीबी/ईसी और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समय–समय पर सौंपे गए कोई अन्य कार्य करेंगे।

रिपोर्टिंग: सोसायटी के सभी कार्यकलापों के लिए कार्यकारी निदेशक, एक सदस्य सचिव के रूप में शासी और कार्यकारी निकाय को रिपोर्ट करेगा, साथ ही वह मिशन निदेशक, एनएचएम, भारत सरकार को भी रिपोर्ट करेगा।

आयु सीमा: अधिमानतः 45 से 60 वर्ष के बीच। असाधारण मामलों में ढील दी जा सकती है।

पारिश्रमिक: 2,41,000/– रु. प्रतिमाह

कार्य काल: तीन वर्ष और आगे विस्तार किया जा सकता है– कार्य निष्पादन और उपयुक्त आधिकारिक मंजूरी के अध्यधीन।

आवेदन कैसे करें:

आवेदन (सीवी) ई–मेल द्वारा **recruitments.nhsrc@gmail.com** पर अथवा डाक द्वारा पीएओ, एनएचएसआरसी, एनआईएचएफडब्ल्यू परिसर, बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनिरका, नईदिल्ली–110 067 के पते पर दिनांक **20 दिसंबर 2019** तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए। **सेवारत अधिकारियों को अपने संबंधित विभागों से अनुमति लेनी होगी। कृपया यह सुनिश्चित करें कि सब्जेक्ट–लाइन (ई–मेल में) और लिफाफे पर (डाक के मामले में) पद का उल्लेख किया गया है, अन्यथा आवेदन (सीवी) स्वीकार नहीं किया जाएगा।**